## 10th Convocation organised at CUH

### **Central University of Haryana**

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: The Tribune Date: 19-11-2024

# Knowledge is greatest power for nation-building: Guv Dattatreya

TRIBUNE NEWS SERVICE

MAHENDRAGARH, NOVEMBER 18
The Central University of
Haryana (CUH) here
today organised its 10th
Convocation wherein,
chief guest Governor Bandaru Dattatreya conferred
PhD, MPhil, post graduate and graduate degrees
on 1,338 students and
research scholars.

Speaking on the occasion, the Governor said knowledge was the greatest power for nation building. Appealing to the youth to become job providers rather than job seekers, he emphasised that the global-level curricula introduced under the New Education Policy would help restore India's legacy of knowledge and re-establish its glory.

Prof Raghavendra Prasad

Central University of Haryana holds its 10th convocation



Governor Bandaru Dattatreya awards a degree to a student at the Central University of Haryana in Mahendragarh on Monday. TRIBUNE PHOTO

Tiwari, Vice-Chancellor of Central University of Punjab, exhorted the students to pledge their contributions to build a new, prosperous, and ambitious India. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, CUH, said after completing their studies and research, the students were today stepping into a world of new possibilities.

aryana Tribune

Tue, 19 November 2024

https://epaper.tribuneindia.com/c/76256822



NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: Amar Ujala Date: 19-11-2024



दीक्षांत समारोह... 🙍



संवाद

सोमवार को हकेंवि में 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गोल्ड मेडलिस्ट निमता अग्रवाल को सम्मानित करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय व कुलपति प्रो. टकेंश्वर कुमार। >> राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति...पेज 04

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Amar Ujala Date: 19-11-2024

## राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति

हकेंवि के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, 1384 विद्यार्थियों को उपाधि दी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने युवा शक्ति से आह्वान किया कि आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं, बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने बार नहीं, बल्कि देने वाले बनें। नवाचार का महत्व बताते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया।

राज्यपाल दत्तात्रेय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने विवि के 46 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल और 1265 को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि दी। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

राज्यपाल ने कहा यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हकेंबि शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विवि के 46 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिला राज्यपाल से

#### स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित दसमें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशो देखते ही बन रही थी। मेहनत का फल केसा होता है। यह उनके दमकते चेहरों को देखकर सहज ही पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग थी।

बहुत गर्व की अनुभृति हो रही है। नीकरी एक अलग चीज है और गोल्ड मेडल मिलना एक अलग चीज। इस सफलता का श्रेय अभिभावक, शिक्षकगण कल्पना चौहान, डॉ. मुरलीधर नायक भूक्या और ग्रो. अजय कुमार बंसल को जाता है। —मोहम्मद तारिक अनवर, छात, बीटेक इलेक्ट्रिक्त इंजीनियरिंग विभाग



यह स्वर्ण पदक उसके और उसके माता पिता के लिए बहुत गर्व की अनुभृति करवाने वाला है। ये सफलता उसके परिवार की मदद से मिली है, इसलिए वह अपना पदक अपने परिवार को समर्पित किया। - शिक्षा, छात्रा, राजनीति विज्ञान विभाग

## समृद्ध भारत के निर्माण के लिए योगदान का आह्वान

महेंद्रगढ़। आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्वाकांक्षी भारत के निर्माण के लिए अपने योगदान का संकल्प लें।

यह बात हकेंवि के दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि पहुंचे पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने कही। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यालय का ब्योरा पेश करते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नई ऊंचाई का संचार करेगी।

समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपित प्रो. दीप्ति धर्माणी, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा विशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, उपस्थित रहे। संवाद स्वर्ण पदक पाकर रोमांचित महस्म कर रही हूं। आईआईएम अहमदावाद में अकादिमक एसोसिएट पद पर कार्यरत हूं। यह पदक सहपाठियों, परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित है, उनके सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। - दिव्या वीक्षित, छात्रा, मनोविज्ञान विभाग

ये गोल्ड मेडल मिलना अविस्मरणीय है। इसका श्रेय उसने सबसे पहले विश्वविद्यालय, माता पिता, शिक्षकगण को दिया। नमहिमा शर्मा, छात्रा, पोषण

एमफिल डिग्री में गोल्ड मेडल की उपलब्धि उसके लिए किसी सपने का सच होने जैसा है। आगामी जनवरी माह में पीएचडी जाएगी। इस सफलता का श्रेय अपने गाइड और अभिभावकों को दिया। -कुमारी सभ्यता, छात्रा यह गोल्ड मेडल लेते वक्त बहुत खुशी महसूस रही है। आज उन्होंने जो अपने शिक्षकों से सीखा है, यह उसी का गरिणाम है। यहां आकर एक अलग ही अनुभव हो रहा है। शिक्षक डॉ. अशोक कुमार और डॉ. भारती बन्ना की आभारी हूं। -नमिता अग्रवाल, छात्रा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

आज का दिन यादगार है। डॉ. सुमन रानी से काफी मार्गदर्शन मिला और उनके सानिध्य में यह उपलब्धि हासिल हुई है। -मनीषा, छात्रा, संस्कृत विभाग

गोल्ड मेडल के लिए शॉर्टीलस्ट होने पर अपार खुशी हो रही है। इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एंव अपने शिक्षकगणों जाता है।

-नीति भारद्वाज ,छात्रा, बीवॉक बायोमेडिकल

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Dainik Bhaskar Date: 19-11-2024

दीक्षांत समारोह • विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी निरंतर सीखे और दूसरों को भी सिखाए : बंडारू दत्तात्रेय

## ने 1338 विद्यार्थियों-शोधार्थियों को दी उपाधियां, 46 को स्वर्ण पदक

भारकर न्यूज । महेंद्रगढ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएचडी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी निरंतर सीखे और दूसरों को भी सिखाए। कहा कि यह विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों ने एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की की ओर से हकेंवि को एमरजिंग कुमार व उनकी टीम को शुभकामनाएं दी।

विशिष्ट अतिथि प्रो. राघर्वेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण के लिए अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। उन्हे केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी गणमान्य

यूनिवर्सिटी ऑफ द ईंयर के सम्मान से सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। अध्ययन व शोध पूर्ण करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. टेकेश्वर करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संबंधित खबर पेज-उपर



दीक्षांत समारोह में डिग्री व मेडल प्रदान करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व कुलपति प्रो.

803 छात्र और 535 छात्राओं को दी डिग्रियां

हर्केवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की व 46 को उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया । स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: <u>Dainik Bhaskar</u> Date: 19-11-2024

## राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति: राज्यपाल दत्तात्रेय

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों-शोधार्थियों को दी उपाधियां



महेंद्रगढ़ | हकेंवि में आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

### भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा, आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बनें। इस दौरान राज्यपाल ने 46 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल और 1265 विद्यार्थियों को स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की।

राज्यपाल ने कहा कि आज

देशभर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत वैश्विक स्तर के नए पाठयक्रम शरू किए जा रहे हैं। इससे भारत की ज्ञान परंपरा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी शामिल हुए। कुलपति प्रो.टंकेश्वर ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तत किया।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Bhaskar** Date: 19-11-2024

## दीक्षांत समारोह • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के होनहार विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने साझा किए अनुभव

## स्वर्ण पदक पाकर खिले चेहरे. कहा- इस खुशी को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते

भारकर न्यूज महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि, महेंद्रगढ़ में सोमवार को आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों की खुशी की कोई सीमा नहीं थी। किसी ने सफलता का श्रेय गुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। हर किसी की सफलता की कहानी अलग-अलग रही।

मनोविज्ञान विभाग की छात्रा दिव्या दीक्षित स्वर्ण पदक पाकर रोमांचित दिखीं। उन्होंने अपना यह पदक सहपाठियों, परिवारजनों व गुरुजनों को समर्पित करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। दिव्या दीक्षित आईआईएम अहमदाबाद में अकादिमक एसोसिएट पद पर कार्यरत हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा नमिता अग्रवाल ने अपनी सफलता का श्रेय विभाग के शिक्षकों को दिया । पोषण जीवविज्ञान विभाग की छात्रा महिमा शर्मा ने कहा कि मैं अपनी खुशी को शब्दों में नहीं बी.टेक.इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र मोहम्मद तारिक अनवर ने कहा कि जॉब एक अलग चीज है और गोल्ड मेडल मिलना एक अलग चीज। शिक्षक शिक्षा विभाग की छात्रा कुमारी सभ्यता ने कहा कि एम.फिल. डिग्री में गोल्ड मेडल की उपलब्धि मेरे लिए किसी सपने का सच होने जैसा है। बी.वॉक बायोमेडिकल की छात्रा नीति भारद्वाज ने अपनी खशी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं बहुत अभिभूत हूं ये जानकर कि मैं गोल्ड मेडल के लिए शॉर्टलिस्ट हुई।

राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा शिक्षा ने अपना पदक परिवार को समर्पित किया। संस्कृत विभाग की छात्रा मनीषा ने इस पल को गौरवमयी बताया।





#### ग्राम पंचायत सलीमपुर की सरपंच आरती ने एम कॉम में हासिल किया गोल्ड मेडल

मेडी अटेली| ग्राम पंचायत सलीमपुर की सरपंच आरती को सोमवार राज्यपाल ने हरियाणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी में



दीक्षांत समारोह में उन्हें भेंट किया गया। यह सम्मान मिलने पर गांव में खुशी का माहौल है। पिता जसवंत यादव ने इस गोल्ड मेडल मिलने पर ख़ुशी जाहिर की है।



#### दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थी

- 1 निकिता बी.एड.
- 2 चारुदत्त पाण्डेय एलएलबी
- 3 पीयुष गोदारा बी.टेक. सिविल इंजीनियरिंग
- 4 अनुपम सिंह बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- 5 मो तारिक अनवर बी.टेक. इलेक्ट्रिल इंजीनियरिंग 6 बह्म मेघना रेड्डी बी.टेक. प्रिंटिंग एंड फैकेजिंग टैक्नोलॉजी
- 7 नीति भारद्वाज बी.वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज
- १ कुमारी निवेदिता बी.वॉक. इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट १ विवेक नारायण सिंह बी.वॉक. रंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट १ विवेक नारायण सिंह बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट
- 10 मीरा एम एम.ए. अर्थशास्त्र
- 11 नव्या के एम.ए. अंग्रेजी
- 12 दीपिका एम.ए. हिंदी
- 13 चंद्रिका एम.ए. इतिहास एवं पुरातत्त्व
- 14 निमता अप्रवाल एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार
- 15 शिक्षा शांडिल्य एम.ए. राजनीति विज्ञान
- 16 दिव्या दीक्षित एम.ए. मनोविज्ञान 17 मनीषा एम.ए. संस्कृत
- 18 जिवेन्द्र कुमार एम.ए. समाजशास्त्र
- 19 ऐश्वर्या जोशी एमबीए
- 20 आरती एम.कॉम.
- 21 सत्य संग्राम पटनायक एमसीए
- 22 पवित्रा यादव एम.एड.
- 23 माधवरामन एम मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी
- 24 राकेश रंजन कमार मास्टर ऑफ लॉ
- 25 अनन्य पाण्डेय मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफोरमेशन साइंस
- 26 महिमा कथूरिया एम.फिल. अर्थशास्त्र
- 27 कु.सविता एम.फिल.शिक्षा 28 फ़िरदौस नचीर एम.फिल. अंग्रेजी
- 29 रजत कुमार मौर्य एम फिल. अंग्रेजी
- 30 नितिन रावत एम.फिल. राजनीति विज्ञान
- 31 पवन मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन
- 32 प्राची एम.एससी. बायोकेमेस्ट्री 33 सोनिया एम एससी. बायोटेक्नोलॉर्जी
- 34 नेहा एम.एससी. केमेस्ट्री
- 35 शालिनी यादव एम एससी, पर्यावरण विज्ञान
- 36 सोनिका एम.एससी. भगोल
- 37 शालू एम.एससी. गणित
- 38 अंकुर कुमार एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी
- 39 महिमा शर्मा एम.एससी. न्यूट्रिशन बायोलॉजी
- 40 पूजा एम.एससी. फिजिक्स
- 41 श्वेता यादव एम.एससी. सॉख्यिकी
- 42 नीति तोमर एम.एससी. योग
- 43 मोनिका एम.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग 44 मोहिनी एम.टेक. एनर्जी सिस्टम एंड मैनेजमेंट
- 45 दीपक एम.टेक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
- 46 सुभम वार्ष्णेय मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड ट्रिंग्म मैनेजमेंट

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Dainik Jagran Date: 19-11-2024

## मातृ भाषा–संस्कृति को भुलाने वालों का नहीं रहता अस्तित्व : राज्यपाल

संबाद सहयोगी, जागरण मरेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षा समारोह का आयोजन सोमवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षा समारोह में शामिल हुए। समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, मिवानी की कुलपित प्रो. दीनि धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि दीक्षा समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। यह ज्ञान योग से कर्मयोग में प्रवेश करने का समय है। उन्होंने 2015 में केंद्रीय मंत्री रहते हुए विदेश में आयोजित कार्यक्रम का स्मरण करते हुए कहा कि 160 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इसमें अमेरिका और इंग्लैंड को छोड़कर शेष सभी देशों के प्रतिनिधियों ने अपनी मातृभाषा में ही प्रस्तुति दी थी। इस दौरान हमारे देश की ओर से भी अंग्रेजी में भाषण



हकेंवि में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल वंडारू दतात्रेय को स्मृति चिद्व भेंट करते कुलपति प्रो., टंकेश्वर कुमार ® सौकव्यः हकेंबि

तैयार किया गया, लेकिन हमने तुरंत उसका हिंदी अनुवाद करवाया और हमारी मातृभाषा हिंदी में ही प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि वह अंग्रेजी के विरोधी नहीं हैं पर जिस देश में अपनी मातृभाषा और अपनी संस्कृति को भुला दिया जाता है, उनका अस्तित्व नहीं रहता है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान

स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमरिजंग यूनिवर्सिटी आफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व टनकी टीम को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि आज जिस

तरह से देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत



समारोह में छात्र को स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल वंडारू • सौ: हकेंब्रि

वैश्विक स्तर के नए पाट्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परंपरा को फिर से स्थापित कर भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समुद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण के लिए अपने योगदान का संकल्प लें। कुलपित ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों के जीवन में एक नई ऊचाई का संचार करेगी। अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे

#### 46 को मिले स्वर्ण पदक

हकेंवि के दसवें वीक्षांत समारोह में कुल 1,338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया
में प्रवेश कर रहे हैं। विश्वविद्यालय
देश के लिए सर्वाश्रेष्ठ नागरिकों के
निर्माण की दिशा में निरंतगर अग्रसर
है। विश्वविद्यालय कौशल विकास के
साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान
भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा
है। समारोह में कुलसचिव प्रो. सुनील
कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. खीवा
कौशिक, वित अधिकारी डा. विकास
कुमार व जिला प्रशासन की और से
जिला उपायुक्त डा. विवेक भारती व
पुलिस अधीक्षक पूजा विशष्ट सहित
विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी व
शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Jagran** Date: 19-11-2024

## प्रदर्शनी का अवलोकन कर किया प्रोत्साहित

: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ के दीक्षांत समारोह में मुख्य

## स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थी

- निकिता बी.एड.
- चारुदत्त पाण्डेय एलएलबी
- पीयुष गोदारा बी.टेक. सिविल **इंजीनियरिंग**
- अनुपम सिंह बी.टेक. कम्प्यूटर साइस एंड इंजीनियरिंग
- मो तारिक अनवर बी.टेक. इलेक्टिल इंजीनियरिंग
- बद्दम मेघना रेडडी बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी
- नीति भारद्वाज बी वॉक. बायोमेडिकल साइंसेज
- कुमारी निवेदिता बी.वॉक. इंडस्टीयल वेस्ट मैनेजमेंट
- विवेक नारायण सिंह बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट
- मीरा एम एम.ए. अर्थशास्त्र
- नव्या के एम.ए. अंग्रेजी
- दीपिका एम.ए. हिंदी
- चंद्रिका एम.ए. इतिहास एवं पुरातत्त्व
- नमिता अग्रवाल एम.ए. पत्रकारिता

संवाद सहयोगी. जागरण, महँदगढ अतिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा के का भी अवलोकन किया। राज्यपाल राज्यपाल ने दोहान उत्सव 2024 उत्सव के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी

एवं जनसंचार

- शिक्षा शांडिल्य एम.ए. राजनीति विज्ञान
- दिव्या दीक्षित एम.ए. मनोविज्ञान
- मनीषा एम.ए. संस्कृत
- जिवेन्द्र कुमार एम.ए. समाजशास्त्र
- ऐश्वर्या जोशी एमबीए
- आरती एम.कॉम.
- सत्य संग्राम पटनायक एमसीए
- पवित्रा यादव एम .एड .
- माधवरामन एम मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी
- राकेश रंजन कुमार मास्टर ऑफ लॉ
- अनन्य पाण्डेय मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफोरमेशन साइंस
- महिमा एम.फिल. अर्थशास्त्र
- क्.सविता एम.फिल. शिक्षा
- फ़िरदौस नज़ीर एम फ़िल . अंग्रेजी
- रजत कुमार मौर्य एम .िफल . अंग्रेजी
- नितिन एम ,िफल , राजनीति विज्ञान
- पवन मास्टर ऑफ फिजिकल एजकेशन

ने आयोजन को राज्य की सांस्कृतिक समृद्धता का परिचायक बताया।

- प्राची एम एससी . बायोकेमेस्टी
- सोनिया एम एससी बायोटेक्नोलॉजी
- नेहा एम.एससी. केमेस्टी
- शालिनी यादव एम. एससी. पर्यावरण
- सोनिका एम.एससी. भुगोल
- शालु एम.एससी. गणित
- अंक्र क्मार एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी
- महिमा शर्मा एम .एससी . न्यटिशन बायोलॉजी
- पूजा एम .एससी . फिजिक्स
- श्वेता यादव एम .एससी . सांख्यिकी
- नीति तोमर एम.एससी. योग
- मोनिका एम.टेक. कम्प्युटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- मोहिनी एम .टेक . एनर्जी सिस्टम एंड मैनेजमेंट
- दीपक एम.टेक. स्टक्चरल **इंजीनियरिंग**
- सुभम वार्ष्णेय मास्टर ऑफ ट्रेवल एंड ट्रिज्म मैनेजमेंट

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Haribhoomi Date: 19-11-2024

## हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय 46 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 65 को पीएचडी, 8 को एमफिल और 1338 को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां

 राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति: बंडारु दत्तात्रेय

हरिभुमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीश्वांत समागेह का आयोजन सोमवार हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडार दतात्रेय मुख्यातिथि थे, जबिक विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित ग्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी शामिल हुए। दीश्वांत समागेह में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय मिप्तयो की कुलपित ग्रो. दीप्ति धमाणी भी उपस्थित रही।

राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वालं सभी विद्यार्थियों को गुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। उन्होंने युवा शिवत का आह्रान करते हुए कहा कि आने वाला समय आपका है। आप के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं, बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शिवत है। युवा नौकहो माल वाले नहीं, बल्कि देने वाले वनें। नवाचार के महत्त्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल न तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। मुख्यांतिथ ने कहा कि यह दिन शिक्षण





**महेंद्रगढ़**। हर्केवि में आयोजित दसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय व दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय।

फोटो : हरिभमि

संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हुं। राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देशभर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैधिक रत्तर के नए पाट्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की ज्ञान परम्परा को फिर से स्थापित कर मारत के गौरव को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मातृभाषा के महत्त्व का भी विश्रोष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जोवन में एक नए अध्याय की शुरूआत है। राज्यपाल ने विकस्तित भारत की संकर्पना को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी से निरंतर सीखने

और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने युवाओं को केंद्र में रखकर नीतियां, पाठ्यक्रम व भिल्य की योजनाएं नाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

जाअन्यकात है। दीशांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांश्ली भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कमंयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। विद्यार्थियों के केवल विचारक ही नहीं बल्कि कमंयोगी बनते हुए नए भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिया भूमिका निभानी होगी। प्रो. तिवारी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. टेकेश्वर कुमार व उनकी टीम की भी सराहना की।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कुलपित ग्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्याधियों के जीवन में एक नई कंचाई का संचार करंगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्याधी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्याधियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। कुलपित ने

विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण के रिराग में निरंतर अग्रसर है। कुलपित ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिखाए गए मार्ग का उल्लेख करते हुए भारत को आर्थिक महाशक्तिन के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका का भी स्मरण कराया। कुलपित ने अकादिमिक, सामुवायिक और राष्ट्रीय हितों की पुनिश्चिता के लिए संगोधियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा जिसके परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा विश्वविद्यालयों की साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा विश्वविद्यालयों का साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा विश्वविद्यालयों का साथ समझौता ज्ञापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा विश्वविद्यालय

#### स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ९९० विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की

हकेंदि के दससे वीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोषार्थियों को पोष्टायं एम फिल, स्वतादक व स्वातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की नहीं, साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उत्लेखनीय प्रदान के पिछ रचणं प्रदान केरन समार्थित किया गया। वीक्षांत समारोह में स्वातक पार्ट्यकमों के अंतर्गत बीटेक में 192 तथा बीवाँक में 88 विद्यार्थियों तथा स्वातकोत्तर पाट्यकमों में 990 विद्यार्थियों को डिजी प्रदान की नहीं 18 शोधार्थियों को पाएचडी स्वत को स्मिफल की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्रार्थ प्राप्तित हैं।

नित-नए कीर्तिमान स्थापित कर अपनी एक अलग वैश्विक पहचान बना रहा है। दीक्षांत समाग्रेह में विश्वविद्यालय को कार्वकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय को विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुल्सचिव प्रे. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा विशिष्ट सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाच्यह, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोषाओं उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

**Public Relations Office** 

Newspaper: <u>Haryana Pradeep</u> Date: 19-11-2024

## हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का दसवां दीक्षांत समारोह

## राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय

महेंद्रगढ़/मनोज गोयल गुडियानिया (हरियाणा प्रदीप)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारु दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोमा बढ़ायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपित प्रो. दीिंस धर्माणी भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्नी प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर



उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्त्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का

व्यौरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट अतिथि पो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Human India** Date: 19-11-2024

ह्यूमन इंडिया

#### <u> गुरुग्राम-नई दिल्ली-चंडीगढ़-करनाल-अंबाला आसपास</u>



## ष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : बंडारु दत्त

- हकेवि के दस्त्वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय
- 46 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को स्वर्ण पदक. 65 को पीएच.डी., 08 को एम.फिल. और 1265 विद्यार्थियों को मिली स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधि

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो चंडीगव । हरियाणा केंद्रीय बडागवा हार्यामा कडाप विश्वविद्यालय (इकेवि), महेँद्रगढ़ के त्रसर्वे तीस्रांत समागेह वा आयोडन संदेमवार 18 नवम्बर को हुआ। इस अवसा पर हरियाणा के ुआ। इस अवसः वर हारवाना स क्रम्यपल माननीय श्री बंडार दत्तात्रेय - मुख्य अतिथि के तीर पर कार्यक्रम की जोशा बढावी जबकि विशिष्ट ा जो भा बदायों जबके विशिष्ट अतिर्वि के रूप में पंजाब केंद्रीय विस्वचिद्यालय में चुल्तपति क्री. वपवेंद्र प्रताद तिवारी दीक्षक समारोड में शामिल हुए। दीक्षति समारोड में बीधरी बंसी लाल विप्लचिद्यालय, भिजानी की विभागित में सावस्य विश्वा त्यालं विश्वानित्यालम्, विश्वानी की कुलपति क्षे. देखिः धर्माणी श्री उपस्थित रहीं। इरु अवसर सर मुख्य अतिथि कन्यपल की बंडाक त्रशबेय ने दिशी

प्राप्त करने वाले रूभी विद्यार्थियों को यूभकामनाएं देते हुए कहा कि दोस्रांत समारोह विद्यार्थी जीवन का

सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्त का आह्वान किया और कहा कि अने बाल्ससमद आएका है। आए रेश का वर्तमन और भविष्य है। जान के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बरिष्ठ क्रम ही सबसे बड़ी जिल हैं। युवा नौकते मांगने वाले नहीं बरिष्ठ देने वाले वनें। नवाचार के महत्व का उल्लेख करते हुए ग्रन्थपाल रे तकतीक, त्रवाबार और शोध की मदद से उक्कच्टता प्राप्त कांच का चंदर से अफ्टा प्रचा करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अधिभानकों, संस्कृति न मृल्यों पर गर्व करने जोर दिया।

मृत्या पर गव करन जार । दया।

मृद्ध्य अतिथि नै कहा कि पह
दिन शिक्षण संस्थान व उसके
शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सन होता है। ग्रन्थपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र



निमांण के लिए प्रेरित करते हैं । मुख्य अटिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सोध व नवाचाः के माध्यम में उच्च फ्रिक्ता के क्षेत्र में संपत्नता के नए कीर्तिमान स्थापित संपटाता के नर् कातमान स्थापत कर रहा है। इस्ते के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रतर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रें य विश्वविद्यालय को एक श्रेण्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामत किया गय है। फिल्को द्वार हरियाणा केलिय विकासिकालय को प्रमाजीत कट्ट ये विस्वावधालयं के एम जन यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल महोत्य ने विश्वविद्यालय कुलप्ति प्रो, टंकेश्वर कुमार व उनको टीम को बधाई व

तरह में देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई जिल्ला नीति के अंतर्गत वैश्वेक स्तर के नए पाठपक्रम शरू विक्रम को हो। उससे भारत की ज्ञान परापरा को फिर से स्थापित कर भारत के गीरव को पुन: स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्हींने मार्भाषा के महत्त्व का भी निर्तेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कड़ा कि दीशांत समारोह विद्यार्थी कहा कि दोबात समारक क्याय जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। तन्यपाल ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा रीदी से नितंतर सीखने और दूसरों को भी सोखाने का आहवान किया। महिला राक्ति का

राज्यपाल ने कहा कि आज जिस विक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने युवाओं को केंद्र में रखकर नीतिया, प्रदेशक्रम च भविष्य की योजनाएं अनाने पर जोर देते दुए कहा कि भारत काना ए जार दुर हुए कहा । क भारत को विल्ल गुरु कानो के लिए युवा शंक्त पर ध्यान केंद्रिश करने को आवश्च्यता है। दीर्बात समागेह में जिशास् अतिबिद्धों, रामवेंद्र प्रसाद विवासी ने स्भी दिशों भारकों को क्याई देते हुए

नहां कि आज का दिन संपन्तें को पूर्ण करने के संकल्प का दिन हैं। विद्यार्थ नए, समृद्ध और महत्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें। आव का दिन विद्यार्थियों के लिए जनयोग से कर्मचोग की और अग्रसर होने का दिन हैं। विद्यार्थियों को केवल

बनते हुए नए भारत के निर्माण में पोगदान देते हुए अमृतकाल की वरिकल्पना को साबार जरने में प्रक्रिक भृषिका निभानी होगी। प्री. विवारी में दूस अवस्था पर विवयनविद्यालय को प्रगति का उस्लेख करते हुए कुलावित प्री. टेकेस्बर कुनार बठनको टीम की भी सराहन की। वरिकल्पना को साकार जरने में

हता करा इम अवसर पर विश्वविद्यालय उपलब्धियों का स्वीरा प्रस्तृत करते हुए कुलपति ग्रो.टेकेश्वर कुमार ने दीश्वांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री बंडारू दक्तत्रेय, विशिष्ट अतिथि ग्रो. रायवेंद्र ग्रसाद विवारी व मभी गणमान्य अतिधियों का स्वारत किया। कुलपति ने डिग्री प्राप्त करने बाले गणी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों बाले प्रशी बिकार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थिपें क जीवन में एक नये अवाई का मंचार करेगी। बन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बद इमारे विद्यर्थी व्हें संपावनाओं की दुनिय में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनें को पूर्ण करने में

ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वेश्वेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निर्रतर अग्रसर है। बुलपित ने वहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का सान भी निद्याणियों को उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिखाए गए मार्ग का मादा क द्वारा इरखाएं गए मान का उस्लेख करते हुए भारत को आर्थिक महासाजिन के रूप में श्राधिक करने में युवाओं को भूमिका का भी स्मरण कराया। कुलप्रति है अकादिम्क, सामुद्राधिक और राष्ट्रीय हैतों की मुर्विज्वतता के लिए, मोगोध्यायें, कार्यभालाओं शोध परियोजनओं औरविदेशी विश्वविद्यालयों के साथ रामग्रीता ज्ञाप के क्षांग्र अरना

स्वस्प विश्वविद्यालय नित-नए कोर्तिमान स्थादित कर अपनी एक अलग नैप्रनेक ग्रहनाव बन रहा है। दीक्षति समारोह में विश्वविद्यालय को कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय को कोर्ट के सन्दर्य, विभिन्न विश्वण संस्थानी, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के नदद करते हुए सामर्थ्य प्रदन करने विभिन्न विश्वण संस्थानी, के लिए उनके मात-पिता और विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के राक्षकों को भी वधाई दी। कुलपित अधिष्ठात, कुलसचिव प्रो. सुनील

विस्तार कर रहा है। जिसके परिणाम

कुमार, परीक्षा नियंत्रक ग्री. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व विला प्रशासन की ओर से जिला उपापुका जॉ. पिपेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वजिष्ट सहित विरवविद्यालय के विधिन विभागे के विभागाध्यक्ष शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोपार्थी उपसंधत रहे। 46 को मिले स्वर्ण पदक व

## 1338 विद्यार्थियों को मिली

उपाधियां हकेवि के दसवें दीक्षत सगरोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व त्रोपार्थियों को शेएच.डी., उपधियाँ प्रशान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रवर्शन के लिए स्वर्ण प्रवक्त देकर सम्पानित किया गया। दीक्षांत सम्मागेट किया गया देखात समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमं के अंटगेत बी.टेक. में 192 तथा नी.मॉक, में 83 निधार्थमां को तथा स्नातकोत्तर त्रात्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएचडी, एवं एष्ठ को ग्रम,फिल, की उपाधि ग्रहान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छत्राएं

NAAC Accredited 'A' Grade University

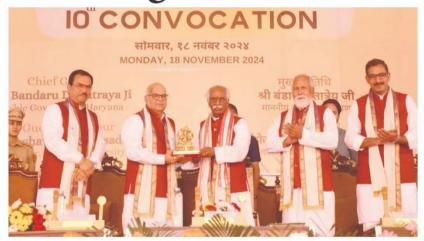
**Public Relations Office** 

Newspaper: Impressive Times Date: 19-11-2024

## Knowledge is the greatest power for nation-building: Bandaru Dattatraya

Manish Kumar info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: The Tenth Convocation of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was held on Monday, 18 November, 2024. On this occasion, Shri Bandaru Dattatraya, Governor of Haryana was present as the Chief Guest and Prof. Raghvendra P. Tiwari, Vice-Chancellor, Central University of Puniab was present as Guest of Honour. On this occasion, the Chief Guest, Governor Shri Bandaru Dattatraya, extended his best wishes to all the students receiving their degrees. He said, "You are the present and the future of our nation,". Further he said that in today's era it is not money but knowledge that is the greatest power for the nation-building. He also urged the youth to become job providers rather than job seekers. He emphasized that the global-level curricula introduced under the New Education Policy would help restore India's legacy of knowledge and reestablish its glory. The Vice Chancellor of Central University of Punjab Prof. Raghavendra Prasad Tiwari congratulated all the degree recipients, stating that today is a



day to commit to fulfilling one's dreams. He urged the students to pledge their contributions to build a new, prosperous, and ambitious India. On this occasion, Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar welcomed the Chief Guest, Guest of Honour and guests of the convocation ceremony. The Vice-Chancellor stated that this day marks a new milestone in the lives of the graduates. He noted that after completing their studies

and research, the students are stepping into a world of new possibilities. Highlighting the progress of the university, he said that the institution is continuously advancing in its mission to nurture the students to make the best citizens for the country. The Vice-Chancellor mentioned that the university is expanding its scope through seminars, workshops, research projects, and Memorandums of Understanding (MoUs) with

foreign universities, ensuring academic, community, and national interests. As a result, the university is setting new milestones and establishing a unique global identity. Members of the Executive Council, Academic Council and Court of the University, dignitaries from different educational institutions, Deans of different Schools, Prof. Sunil Kumar, Registrar, Prof. Rajiv Kaushik, Controller of Examinations. various offi-

HE NOTED THAT
AFTER COMPLETING
THEIR STUDIES AND
RESEARCH, THE STUDENTS ARE STEPPING
INTO A WORLD OF
NEW POSSIBILITIES.
HIGHLIGHTING THE
PROGRESS OF THE
UNIVERSITY

cers and faculty members were present. Degrees were conferred upon 1338 students and 46 students got Gold Medals. At the 10th Convocation of CUH, Ph.D, M.Phil, Graduate and Post-graduate degrees were awarded to 1338 students and researchers including 46 students who got gold medals. Among these, 192 students in B.Tech, 83 students in B.Voc. while in Post-Graduate 990 students were conferred degrees. Ph.D. degree was awarded to 65 researchers and M.Phil. to 8 researchers. Among 1338 students and researchers, 803 male and 535 female students were awarded degrees.

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: India News Calling Date: 19-11-2024

Knowledge is the greatest power for nation-building: Bandaru Dattatraya-Tenth Convocation held at CUH

November 18, 2024 04:50 PM



MAHENDERGARH, 18.11.24-The Tenth Convocation of Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh was held on Monday, 18 November, 2024. On this occasion, Shri Bandaru Dattatrava. Governor of Haryana was present as the Chief Guest and Prof. Raghvendra P. Tiwari, Vice-Chancellor. Central University of Puniab was present as Guest of Honour. On this occasion, the Chief Guest, Governor Shri Bandaru Dattatraya, extended his best wishes to all the students receiving their degrees. He said, You are the present and the future of our nation,". Further he said that in today's era it is not money but knowledge that is the greatest power for the nation-building. He also urged the youth to

become job providers rather than job seekers. He emphasized that the global-level curricula introduced under the New Education Policy would help restore India's legacy of knowledge and re-establish its glory.

The Vice Chancellor of Central University of Punjab Prof. Raghavendra Prasad Tiwari congratulated all the degree recipients, stating that today is a day to commit to fulfilling one's dreams. He urged the students to pledge their contributions to build a new, prosperous, and ambitious India.

On this occasion, Vice-Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar welcomed the Chief Guest, Guest of Honour and guests of the convocation ceremony. The Vice-Chancellor stated that this day marks a new milestone in the lives of the graduates. He noted that after completing their studies and research, the students are stepping into a world of new possibilities. Highlighting the progress of the university, he said that the institution is continuously advancing in its mission to nurture the students to make the best citizens for the country.

The Vice-Chancellor mentioned that the university is expanding its scope through seminars, workshops, research projects, and Memorandums of Understanding (MoUs) with foreign universities, ensuring academic, community, and national interests. As a result, the university is setting new milestones and establishing a unique global identity. Members of the Executive Council, Academic Council and Court of the University, dignitaries from different educational institutions, Deans of different Schools, Prof. Sunil Kumar, Registrar; Prof. Rajiv Kaushik, Controller of Examinations, various officers and faculty members were present.

Dograda ware conformed when 1990 students and 44

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

**Newspaper: Navoday Times** Date: 19-11-2024

## राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के ड़ी शक्ति : बंडारू दत्तात्रेय

मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार

आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। यवा

मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व

को पुन: स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर उन्होंने मातभाषा के महत्त्व का भी विशेष

10 CONVOC

रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन में एक नए

अध्याय की शुरुआत है। राज्यपाल ने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा पीढी से निरंतर

सीखने और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिक्र करते हुए राज्यपाल महोदय ने यवाओं को केंद्र में रखकर नीतियां. पाठ्यक्रम व भविष्य की योजनाएं बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की

दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को बधाई देते हए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विद्यार्थी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेतु अपने योगदान का संकल्प लें।

इस अवसर पर कुलपति टंकेश्वर

रूप में शामिल हए राज्यपाल

अतिथि प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कलपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी ऊचाई का संचार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनों को पूर्ण करने में मदद करते हए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। कलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निरंतगर अग्रसर है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। समारोह में विवि. की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी. विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।



हकेवि के दसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान करते राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय।



समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय।

18 नवम्बर को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्त्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने

४६ छात्रों को

स्वर्ण पदक. ६५ को

पीएच.डी., ०८ को

एम.फिल. और १२६५

को मिली स्नातक व

स्नातकोत्तर की

उपाधि

युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों. अभिभावकों. संस्कृति व मल्यों

पर गर्व करने जोर

दिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी

आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल के नए पाठ्यक्रम शुरु किए जा रहे

नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा

> केंद्रीय विश्वविद्यालय को श्रेष्ट विश्वविद्यालय के

रूप में नामित किया गया है।

राज्यपाल ने **क**हा कि आज जिस तरह से देश भर में उ च्य शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति

के अंतर्गत वैश्विक स्तर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की हैं। उससे भारत की जान परम्परा को आवश्यकता है।

कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Navoday Times Date: 19-11-2024

## सलीमपुर की सरपंच आरती ने वाणिज्य में पाया स्वर्ण पदक

अटेली मंडी, 18 नवंबर (दूरदर्शी): महेंद्रगढ़ जिले के गांव सलीमपुर की सरपंच आरती ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से एक नया

कीर्तिमान स्थापित किया है। हरियाणा केन्द्रीय

विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में आरती को वाणिज्य विषय में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। यह पदक राज्यपाल द्वारा

उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।

आरती न केवल पढ़ाई में अव्वल रही हैं, बल्कि एक जिम्मेदार सरपंच के रूप में गांव की बेहतरी के लिए भी लगातार काम कर रही हैं। उनका यह संतुलन युवाओं और महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है।

ग्रामीणों ने उनकी सामाजिक कार्यों में रुचि और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें सरपंच के रूप में चुना था, और आज वे इस विश्वास पर पूरी तरह खरी उत्तर रही हैं।आरती सरपंच बनने के बाद से ही ग्रामीणों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए

कई महत्वपूर्ण पहल कर चुकी हैं। गांव में सफाई अभियान, पेयजल व्यवस्था सुधार, और महिलाओं के लिए स्वरोजगार कार्यक्रमों का संचालन उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियां हैं।

अारती का कहना है कि शिक्षा और समाज सेवा दोनों का अपना महत्व है, और उन्होंने इसे अपने जीवन में अपनाया है। आरती की इस उपलब्धि से गांव सली मपुर में जश्न का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि आरती ने न केवल गांव का नाम रोशन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी बाधा सफलता के मार्ग में नहीं आ सकती।



NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Rashtriya Sahara Date: 19-11-2024

## राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति : दत्तात्रेय

नारनौल (एसएनबी)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय बंडारू दत्तात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जबिक विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपित प्रो. दीप्ति धर्माणी भी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर

उन्होंने युवा शक्ति का आह्वान किया और कहा कि आने वाला समय आपका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बिल्क ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मांगने वाले नहीं बिल्क देने वाले बनें। नवाचार के महत्व का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने तकनीक, नवाचार और शोध की मदद से उत्कृष्टता प्राप्त करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने स्वयं पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मृल्यों पर गर्व करने जोर दिया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि यह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम



हकेंवि के दसवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय स्वरूप राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमरजिंग यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. टंकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

46 को मिले स्वर्ण पदक व 1338 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां : हर्केवि के दसवें दीक्षांत समारोह में कुल 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पीएच.डी., एम.फिल, स्नातक व स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गई। साथ 46 विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए

स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत बी.टेक. में 192 तथा बी.वॉक. में 83 विद्यार्थियों को तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 990 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। 65 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं 08 को एम.फिल. की उपाधि प्रदान की गई। 1338 विद्यार्थियों व शोधार्थियों में 803 छात्र और 535 छात्राएं शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार व जिला प्रशासन की ओर से जिला उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा विशष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित थे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

#### **Public Relations Office**

Newspaper: Aaj Samaj Date: 19-11-2024

#### राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति-श्री बंडारु दत्तात्रेय



महेंद्रमद् । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रमद् के दसवें दीक्षांत समारोह क आयोजन सोमवार 18 नवम्बर को हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल माननीय भी बंडारु दतात्रेय ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बदायी जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पंजाब केटीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी दीक्षात समारोह मे शामिल हुए। दीक्षात समारोह में चौचरी बसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी की कुलपति यो. दीहि धमाणी भी उपस्थित रही इस अस्तर पर मुख्य अतिथि राज्याल भी बंबार दतांत्रय ने डिगी पात करने वाले सभी विद्यार्थियों को सुनकामाण देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थी जीवन का सबसे यादगार अवसर होता है। इस मौके पर उन्होंने युवा शक्ति का आह्मन किया और कहा कि आने वाला समय आएका है। आप देश का वर्तमान और भविष्य है। आज के समय में राष्ट्र निर्माण के लिए पैसा नहीं बल्कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। युवा नौकरी मागने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें। नवाचार के महत्व का उल्लेख करते हुए राज्यणत ने तकनीक, नवाचार और शीध की मदद से उत्कृषता ग्राम करने का मार्ग दिखाया। उन्होंने युवाओं ने अपने खब्य पर, अपने शिक्षकों, अभिभावकों, संस्कृति व मूल्यों पर गर्व करने जोर दिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि वह दिन शिक्षण संस्थान व उसके शिक्षकों के लिए भी आनंद का उत्सव होता है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारत की मेधा को सम्मानित करते हुए उनके राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। सुख्य अतिथि ने कहा कि हरियाणा केट्रीय विश्वविद्यालय शोध व नवाचार के माध्यम से उच्च उच्च जांधा के क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसी के परिणाम स्थनन्य राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों द्वारा हरियाणा केंद्रीय विद्यविद्यालय को एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में नामित किया गया है। फिक्की द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमर्नजन यूनिवर्सिटी औक द ईयर के सम्मान से सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय कुलवृति प्रो., टकेश्वर कुमार व उनकी टीम को बचाई व शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि आज जिस तरह से देश भर में उच्च शिक्षण संस्थानों का विकास व प्रसार हो रहा है तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वैदिवक स्तर के नए पादयळम शुरू किए जा रहे हैं। उससे भारत की जान परम्परा को किर से स्वापित कर भारत के गौरव को पुनः स्वापित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर किर से स्थापत कर भारत के गारत का यून स्थापत करने में महेन सर्वाण जे अपनेर पर उन्होंने मातृभावा के महत्त्व का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वैक्षात समागीह विद्यार्थी जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत है। राजव्याल ने विकस्ति भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए यूवा पीढ़ी से निरंतर सीखने और दूसरों को भी सीखाने का आह्वान किया। महिला शक्ति का जिंद्र करते हुए राजव्याल महोदय ने युवाओं को केंद्र में रखकर नीतिया, पाद्यकम व भविष्य की योजनाए बनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को विश्व पुरु बनाने के लिए युवा शक्ति पर ध्यान केहित करने की आवश्यकता है। दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रौ.. राष्ट्रिंद प्रसाद तिवारी ने सभी डिग्रीधारकों को वर्धाई देते हुए कहा कि आज का दिन सपनों को पूर्ण करने के संकल्प का दिन है। विवासी नए, समृद्ध और महत्त्वाकांक्षी भारत के निर्माण हेर्तु अपने खेगदान का संकल्प लें। आज का दिन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानयोग से कर्मयोग की ओर अग्रसर होने का दिन है। विद्यार्थियों को केवल विचारक ही नहीं बल्कि कर्मयोगी बनते हुए नर भारत के निर्माण में योगदान देते हुए अमृतकाल की परिकल्पना को साकार करने में सक्रिया भूमिका निर्मानी होगी। प्री. तिवारी ने इस अवसर पर दिस्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. टकेश्वर कुमार व उनकी टीम की भी सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री बंडारु दत्तात्रेय, विशिष्ट अतिथि प्रो. राषदेंद्र प्रसाद तिवारी व सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कुलावित ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यर्थियों एवं शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक नयी कवाई का सवार करेगी। उन्होंने कहा कि अध्ययन व शोध पूर्ण करके के बाद हमारे विद्यार्थी नई संभावनाओं को दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों सपनी को पूर्ण करने में मदद करते हुए सामर्थ्य प्रदान करने के लिए उनके माता-पिता और शिक्षकों को भी बचाई दी। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय देश के लिए सर्वश्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण की दिशा में निरंतगर अग्रसर है। कलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कीशल विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का . ज्ञान भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिखार गर मार्ग का उल्लेख करते हुए भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में युवाओं की भूमिका का भी रमरण कराया। कुलपति ने अकादमिक, सामुदायिक और राष्ट्रीय हितों की सुनिष्ठितवा के लिए संगोष्टियों, कार्यशालाओं, शोध परियोजनाओं और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझीता झापन के द्वारा अपना विस्तार कर रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय नित-नए कीर्तिमान स्थापित कर अपनी एक अलग वैश्विक पहचान बना रहा है। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिवद व विश्वविद्यालय की कोर्ट के सदस्य विधिन्न शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय की प्रास्थद व प्रक्षावाद्यालय का काट क सदस्य, क्षामना इन्हाला संस्थाना, प्रक्षावाद्यालय का विभान्न पीटों के अधिकात, कुलसविच प्रो. सुनील कुमार, परीक्षा निवंत्रक प्रो. राजीय कींक्षिक, वित्त अधिकारी डी. विकास कुमार व जिला प्रशासन की और से जिला उपायुक्त डॉ., विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पुजा विशेष्ठ सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाव्यक्त, शिक्षक, कर्मचारी, विशायों व शोधावीं उपस्थित रहे।

#### स्वर्ण पदक पाकर खिले होनहारों के चेहरे

महेंद्रगढ़ । हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में सोमवार को आयोजित दसवें दीशांत समार्याह में स्वर्ण पदक पाने वाले विद्यार्थियों को खुरी देखते हो हल रही थी। मेहनत का फल करता होता है। वह उनके दमकरों चेहने को देखते रहे हत है। पता चल रहा था। किसी ने सफलता का श्रेय मुरुजनों को दिया तो किसी ने परिवार के बोमदान को महत्वपूर्ण ब्रह्माया। हर किसी की सफलता की कहनी अलग-अलग थी। हु मनीविद्यान विभाग की छात्र दिया दीशित स्वर्ण पदक पाकर रोमाजित महसूस कर रही है। उन्होंने अध्यना यह एक्क स्वर्णादेशी, परिवारजनों व मुजजनों को समर्थित करते हुए कहा कि उनके सक्योंग से ही उन्हें कर सफलता प्राप्त हुई है। दिया दीशित आईआईएम अहमदाबाद में अकादिमक एसीविस्पट पर पर कार्यरत है। हु पत्रकारित एवं जनसवार विभाग की छात्र नर्माता अध्यवल ने कहा कि मुझे यह गोल्ड मेंडल लेते वक्त बहुत खुणी महसूस रही है। उनहोंने कहा कि आज उनहोंने को अपने दीवर्स से सीवा है, यह उसी का परिणाम है। यहां आकर एक अलग ही अनुभव हो रहा है। उनहोंने अपने सफलता का श्रेय विभाग के शिवस महिमा शर्मा ने बताया कि उन्होंने को अपने दीवर्स से सीवा है, यह उसी का परिणाम के शिवस की असीव एक अलग ही अनुभा के मेंडल मिलना उनके अनगरस्वाराव्य हमान की शास की हमा महिमा शर्मा ने बताया कि देशा है। प्रदेश की उनहोंने साम की हमा महिमा शर्मा ने बताया कि उसी हमें मेंडन मिलना उनके अनगरस्वाराव्य हमाने विभाग के शिवस मिलना उनके अनगरस्वाराव्य हमाने विभाग के शिवस मिलना उनके अनगरस्वाराव्य हमाने विभाग के निया हमाने विभाग के महिमा शर्मा ने विभाग के की हमान महिमा शर्मा ने बताया कि